नाम ....

अनुक्रमांक ....

अर्द्ध–वार्षिक परीक्षा, 2022-23

A/10,000

सामान्य हिन्दी

कक्षा—12

समय : 3 घण्टा 15 मिनट] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश— (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न–पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न–पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड (क)

1. निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए—

(क) फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कहानी है—
(i) लाल पान की बेगम (ii) विषकन्या
(iii) पाजेब (iv) चीफ की दावत

(ख) 'वाग्धारा' निबन्ध संग्रह के लेखक हैं—
(i) भीष्म साहनी (ii) वासुदेवशरण अग्रवाल
(iii) यशपाल (iv) अमृतराय

(ग) 'मेरी जीवन यात्रा' की विधा हैं—
(i) आत्मकथा (ii) संस्मरण (iii) उपन्यास (iv) जीवनी

(घ) 'तूफानों के बीच' के रचयिता है—
(i) रांगेय राघव (ii) शिवदान सिंह चौहान
(iii) शिवसागर मिश्र (iv) श्रीराम शर्मा

(ङ) 'बेईमान की परत' किस विधा की रचना है?
(i) कहानी (ii) निबन्ध (iii) नाटक (iv) यात्रा–वृतान्त

2. निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए—

(क) रीतिबद्ध काव्य के कवि हैं—
(i) बिहारी (ii) भिखारीदास
(iii) ठाकुर (iv) माखनलाल चतुर्वेदी

(ख) 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है—
(i) 1953 ई. (ii) 1943 ई. (iii) 1935 ई. (iv) 1919 ई.

(ग) राष्ट्रकवि का सम्मान मिला—
(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) मैथिलीशरण गुप्त
(iii) निराला (iv) अज्ञेय

(घ) सूफी काव्यधारा के कवि हैं—
(i) जायसी (ii) रैदास (iii) नानक (iv) तुलसी

(ङ) भारत–भारती के रचनाकार हैं—
(i) जयशंकर प्रसाद (ii) मैथिलीशरण गुप्त
(iii) सुभद्रा कुमारी चौहान (iv) महादेवी वर्मा

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी [illegible] और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक [illegible]

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नये प्रयोगों की नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस शीर्षक से उद्धृत है?
(ii) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक कौन हैं?
(iii) उपर्युक्त गद्यांश में किस प्रसंग का प्रतिपादन किया गया है?
(iv) भाषा किसका अभिन्न अंग है और क्यों?
(v) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उखड़ गये, समाज ढह गये, और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गयी।

(i) सामन्त सभ्यता की परिष्कृत रुचि का प्रतीक कौन है?
(ii) लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से कौन समृद्ध हुई थी?
(iii) आज उस सामंती सभ्यता की क्या स्थिति है?
(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(v) अशोक का वृक्ष किसका प्रतीक है?

4. निम्नलिखित पंद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $2 \times 5 = 10$

बैठी खिन्नायक दिवस वे गेह में थी अकेली।
आके आँसू दृग-युगल में थे धरा को भिगोते।
आई धीरे इस सदन में पुष्प-सदगंध को ले।
प्रात: वाली सुपवन इसी काल वातायनों से॥
संतापों को विपुल बढ़ता देख के दु:खिता हो।
धीरे बोली सन्दुख उससे श्रीमती राधिका यों।
प्यारी प्रात: पवन इतना क्यों मुझे है सताती।
क्या तू भी है कलुषित हुई काल की क्रूरता से॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक लिखिए।
(ii) इस पद्यांश के रचनाकार कौन हैं?
(iii) इस पद्यांश में किस प्रसंग का चित्रण हुआ है?
(iv) इस पद्यांश में कौन-सा छन्द है?
(v) पद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

नील परिधान बीच सुकुमार
खुल रहा मृदुल अधखुला अंग।
खिला हो ज्यों बिजली का फूल
मेघ-बन बीच गुलाबी रंग।
ओह! वहमुख! पश्चिम के व्योम
बीच जब घिरते हों घनश्याम;
अरुण रविमंडल उनको भेद
दिखाई देता हो छविधाम।

(i) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ii) उपर्युक्त कविता में किसके रूप का वर्णन है?
(iii) 'बिजली के फूल' से क्या तात्पर्य है?
(iv) उपर्युक्त में कौन-सा अलंकार है?
(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

https://www.upboardonline.com

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए—(शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5
(i) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
(iii) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए—(अधिकतम सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5
(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (ii) मैथिलीशरण गुप्त
(iii) जयशंकर प्रसाद

6. 'बहादुर' कहानी के नायक का चरित्र-चित्रण लिखिए। 5

अथवा

'लाटी' कहानी की समीक्षा कीजिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के 'चतुर्थसर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर का चरित्र-चित्रण लिखिए।

खण्ड (ख)

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधं सामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृत साहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते। https://www.upboardonline.com

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकम्भिरूप सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकार परिपूर्णं पुरुषं राजानम् कुर्वन्। चतुष्पदा अपिसन्निपत्य एकं सिंहं राजानम्कुर्वन। ततः शंकुनिगणाः हिमवत् प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च। अस्मांक पुनरन्तरे राजा नास्ति। अराजको वासो नाम नवर्तते। एको राजस्थाने स्थापयितव्यः इति उक्तवन्तः। अथ ते परस्परमवलोकयन्तः एकं मूलूकंदृष्टवा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

काव्य-शास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम्।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा।

अथवा

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम।
वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किन्हीं **दो** के अर्थ लिखते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए— 1 + 1 = 2
(i) गड़े मुर्दे उखाड़ना (ii) खून सफेद होना
(iii) दाल में काला होना (iv) नमक मिर्च लगाना।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कर लिखिए—
I. 'पद्मेशः' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(i) पद्मा + ईशः (ii) पद्म + एशः
(iii) पद्मा + इशः (iv) पद + मेशः

https://www.upboardonline.com

2. 'महीशः' का सन्धि विच्छेद है— 1
(i) महा + ईशः (ii) मही + शः
(iii) महे + ईशः (iv) मही + ईशः

3. 'तल्लीनः' का सन्धि विच्छेद है— 1
(i) तद् + लीनः (ii) तत् + लीनः
(iii) तदली + नः (iv) तदो + लीनः

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों का विभक्ति और वचन के अनुसार चयन कीजिए—

1. 'नाम्नि' में विभक्ति और वचन है— 1
(i) तृतीया विभक्ति, एकवचन (ii) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(iii) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन (iv) द्वितीय विभक्ति, बहुवचन

2. जगती रूप है जगत् का— 1
(i) प्रथमा द्विवचन (ii) द्वितीया बहुवचन
(iii) चतुर्थी एकवचन (iv) सप्तमी एकवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चुनकर लिखिए—

(i) गृह-ग्रह 1
(अ) घर और नक्षत्र (ब) घर और गृहस्थी
(स) गिरोह और घर (द) गाँव और घर

(ii) बात-वात 1
(अ) बातें और हवा (ब) रोग और दवा
(स) वायु और विकार (द) विचार और शिकार

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए— 2
(अ) कमल (ब) पद (स) वार

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए—

(i) जिनका जन्म न हुआ हो— 1
(अ) जन्महीन (ब) जन्मरहित
(स) अजर (द) अजन्मा

(ii) सौ वर्ष का समय— 1
(अ) शताब्दी (ब) आब्दी
(स) दशाब्दी (द) सहस्राब्दी

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध कीजिए— 1 + 1 = 2
(अ) हवा ठंडी बह रहीं है।
(ब) गौतम की पत्नी का नाम अहिलया था।
(स) एक फूल की माला खरीद लेना।
(द) वह मुझे अपना शत्रुता समझता है।

12. (क) 'करुण रस' अथवा 'रौद्र रस' का स्थायी भाव बताते हुए उसकी परिभाषा लिखिए। 2
(ख) 'यमक' अथवा 'श्लेष' अलंकार का लक्षण व उदाहरण लिखिए। 2
(ग) 'सोरठा' अथवा 'रोला' छन्द का मात्रा सहित लक्षण और उदाहरण लिखिए। 2

13. किसी बैंक के प्रबन्धक को, कोई व्यवसाय करने हेतु ऋण प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

अथवा

अपने नगर के नगरपालिका अध्यक्ष को सफाई व्यवस्था हेतु एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। 6

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए— 2 + 7 = 9
(i) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति
(ii) बेरोजगारी एक अभिशाप
(iii) विद्यालय में स्वास्थ्य शिक्षा का महत्व
(iv) देशाटन के लाभ

●●

https://www.upboardonline.com